



VIDEO

Play

## भजन



तर्ज :- पिछे-पिछे आन्दा मेरी टोर वैन्दा आई वे

जित्थे-जित्थे नजरां, पैन्दीयाँ ने मेरीयाँ,

औथे-औथे मेहरां दिसदियाँ तेरीयाँ

रुह नाल सजदा बजावां, सतगुरु प्यारे दा

1.) धाम धनी मेरे निजघर वाले, प्राण पिया नूरी तन वाले

सच्चे सतगुरु बन के आये, इश्क इलम दे जाम पिलाये

सुरता जगाई, परआतम लखाई नी मैं लख-लख शुकर गुजारां

सतगुरु प्यारे दा..

2.) देंदे ने पहचान रुहानी, कर कर साथ ते मेहरबानी

जो पहचाने सुन के वाणी, सोई धनी दी बुजरक धनीयाणी

सतगुरु ने करतार मिलाया, दिल विच एहीं रूप वसावां सतगुरु प्यारे दा..

3.) सतगुरु मेरे अलख लखाया, निजघर दा अंकूर जगाया

रूप सुहाना मेरे साहेब दा, तक तक जिसनूँ जी नईया भरदा

रूप दसया ना जाये, नूर झलया ना जाये

मेहरां भरया दर पावां सतगुरु प्यारे दा.

